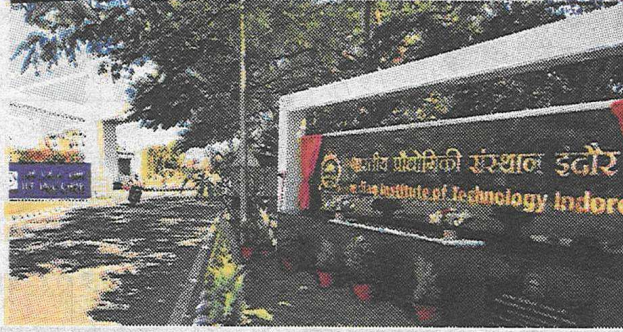


आईआईटी इंदौर में संस्कृत में तकनीकी ज्ञान के कोर्स भास्कराचार्य की लीलावती का समापन

संस्कृत में तकनीकी क्षेत्र को लेकर काम करेगा आईआईटी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ♦ आईआईटी इंदौर संस्कृत में तकनीकी क्षेत्र को लेकर निरंतर काम करेगा। यह बात आईआईटी इंदौर के प्रभारी निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने क्लासिकल मैथमेटिकल कोर्स भास्कराचार्य की लीलावती के समापन के अवसर पर की। शुक्रवार को इस कोर्स का समापन हुआ। इस अवसर पर वर्चुअली आयोजित कार्यक्रम में बीजोआई-आईआईटी इंदौर के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. फाटक, आईआईएम इंदौर के निदेशक संस्कृत भारती के अखिल



भारतीय सचिव श्रेयश डोपुजारी माननीय जस्टिस (सेवानिवृत्त) बी.एन. श्रीकृष्ण, एआईसीटीई के निदेशक (एफडीसी) कर्नल बी.

वेंकट शामिल हुए। प्रो. दीपक बी. फाटक ने इस अवसर पर कहा कि मुझे इस पाठ्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बेहद खुशी है। इस

गांधी जयंती के उपलक्ष्य में हुए कई कार्यक्रम

आईआईटी इंदौर में गांधी जयंती के उपलक्ष्य में सरकार के आत्मनिर्भर कार्यक्रम के तहत तक्षशिला व्याख्यान हॉल परिसर में विशेष आत्मानवीर स्टालों का आयोजन किया। सिमरोल-चोरल क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी

ग्रामीणों, कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट और खादी और ग्रामोद्योग द्वारा जैविक और हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए इन स्टालों लगाया गया था। वहीं एक वेबिनार आयोजित किया गया।

तरह के पाठ्यक्रमों में वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि यह पाठ्यक्रम, बड़ी

चीजों को सीखने के लिए आधार होगा और उपलब्ध सुंदर साहित्य का अध्ययन करने के लिए लोगों को प्रेरित करेगा।